



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 12 सितंबर, 2026

जारी करने का समय: 1335 घंटे

विषय: (i) दक्षिण छत्तीसगढ़ और आस-पास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण, 12 तारीख को ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; 12 और 13 तारीख को तटीय आंध्र प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा, तेलंगाना, मध्य महाराष्ट्र और कोंकण में; 12 से 14 तारीख के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश हो सकती है, जिसमें 12 तारीख को विदर्भ, मराठवाड़ा और तेलंगाना में और 13 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
(ii) 12 से 14 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र में और 13 व 14 तारीख को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 13 सितंबर 2026 को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है।

आज, 12 सितंबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम और नागालैंड में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ सक्रिय है और निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- ❖ कल उत्तर-पश्चिम-पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण ओडिशा-उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों पर बना कम दबाव का क्षेत्र आज, 12 सितंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) दक्षिण छत्तीसगढ़ और आसपास के इलाकों में मौजूद था। इसके अगले 24 घंटों के दौरान दक्षिण छत्तीसगढ़ और विदर्भ से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से मन्नार की खाड़ी तक एक ट्रफ बनी हुई है।
- ❖ निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर दक्षिण कोंकण और उससे सटे पूर्वी-मध्य अरब सागर के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) मौजूद है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- ❖ उत्तर पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू के ऊपर निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर एक नया पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है; साथ ही मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर लगभग 70°E देशांतर (लॉन्गिट्यूड) के साथ और 30°N अक्षांश (लैटिट्यूड) के उत्तर में एक ट्रफ भी बनी हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर मध्य असम और आसपास के इलाकों के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 15-17 सितंबर के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 12-14 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 16-17 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; और 13-14 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12-13 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में; 13-17 सितंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; और 12-14 सितंबर के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 12-14 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 12-13 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; और 12-15 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 15-18 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 14-18 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; और 16-18 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12 और 14 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 12 सितंबर को छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; 13 सितंबर को विदर्भ में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है; साथ ही 13 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 12 सितंबर को विदर्भ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 12-18 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 12-13 सितंबर और 16-18 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 16-17 सितंबर के दौरान बिहार में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। ओडिशा में 12 सितंबर और 15-16 सितंबर के दौरान।
- ❖ 14-15 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल; 12-18 सितंबर के दौरान झारखंड; 12-15 सितंबर और 18 सितंबर को बिहार; 13-14 सितंबर और 17-18 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 12-17 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 16-18 सितंबर के दौरान बिहार; 12 सितंबर और 15-17 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 12-17 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय में 12-13 सितंबर और 15-16 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 12-14 सितंबर के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 18 सितंबर को; असम और मेघालय में 14 सितंबर और 17-18 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 15-18 सितंबर के दौरान कुछ जगहों पर या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में 12-15 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 12-14 सितंबर के दौरान कुछ जगहों पर आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 12-16 सितंबर के दौरान; असम और मेघालय में 13-16 सितंबर के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 12-13 सितंबर के दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 12 सितंबर को असम और मेघालय में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 12-18 सितंबर के दौरान; गुजरात क्षेत्र और मध्य महाराष्ट्र में 12-15 सितंबर के दौरान; मराठवाड़ा में 12-13 सितंबर के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 13-15 सितंबर के दौरान काफी बड़े इलाके में या पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।

- ❖ गुजरात क्षेत्र और मध्य महाराष्ट्र में 16-18 सितंबर के दौरान; मराठवाड़ा में 14-18 सितंबर के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 12 सितंबर और 16-18 सितंबर के दौरान कुछ जगहों पर या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा में 12-13 सितंबर के दौरान; मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 12-14 सितंबर के दौरान कुछ जगहों पर आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। 12-15 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में।
- ❖ 12-13 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा; 12 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र; 13 सितंबर को गुजरात क्षेत्र और मराठवाड़ा; 15 सितंबर को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, 13 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र; 12 सितंबर को मराठवाड़ा; 12 और 14 सितंबर को गुजरात क्षेत्र; और 13-14 सितंबर के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- ❖ 13 सितंबर को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 12-18 सितंबर के दौरान रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी व कराईकल; 12-13 सितंबर और 16-18 सितंबर के दौरान केरल और माहे; 13 और 15 सितंबर को तटीय कर्नाटक; 12-13 सितंबर और 15-18 सितंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक; 13-18 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश की संभावना है।
- ❖ 14-15 सितंबर के दौरान केरल और माहे; 12-18 सितंबर के दौरान लक्षद्वीप; 12 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तेलंगाना में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ 12-16 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; 14-16 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 12 सितंबर को रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। साथ ही, 14-15 सितंबर के दौरान केरल और माहे में तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है। तेलंगाना में 12-14 सितंबर के दौरान।
- ❖ 15-16 सितंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 14-17 सितंबर के दौरान केरल और माहे में; 12-13 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 13 सितंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है, साथ ही 12 सितंबर को तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।
- ❖ 12-13 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।

गर्म और उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 12-13 सितंबर के दौरान केरल और माहे में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 16 सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे सोमालिया तटों के साथ और दूर; 12 से 16 सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 13 से 16 सितंबर के दौरान उत्तर-पूर्व अरब सागर से सटे गुजरात तटों के साथ और दूर।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 11 सितंबर को बांग्लादेश से सटे पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों के साथ और दूर; 12 सितंबर को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों के साथ और दूर, मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण श्रीलंका तटों से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

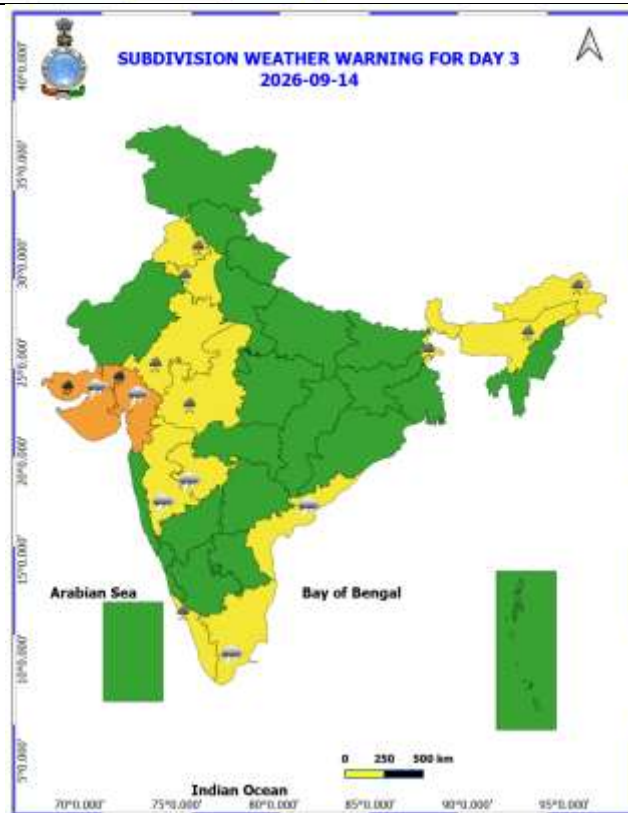
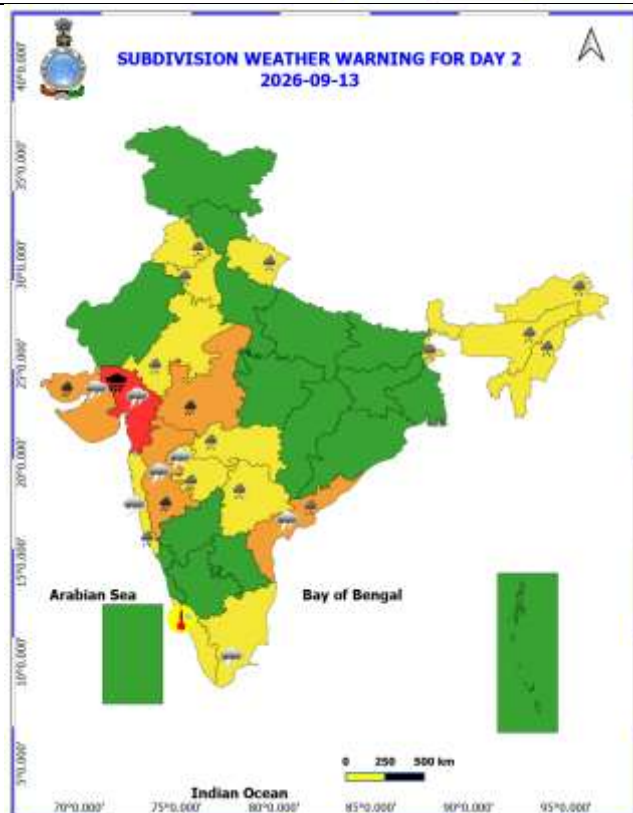
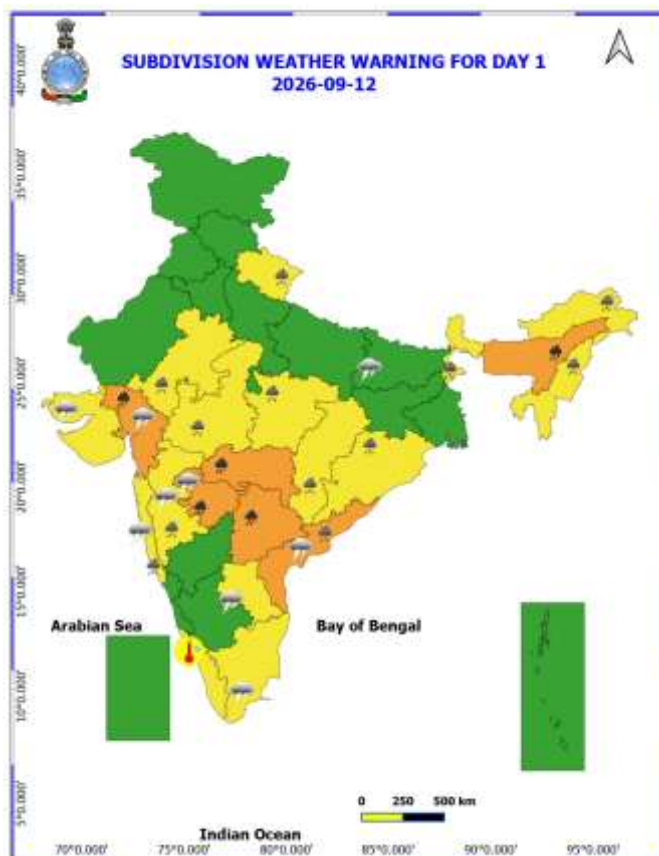
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

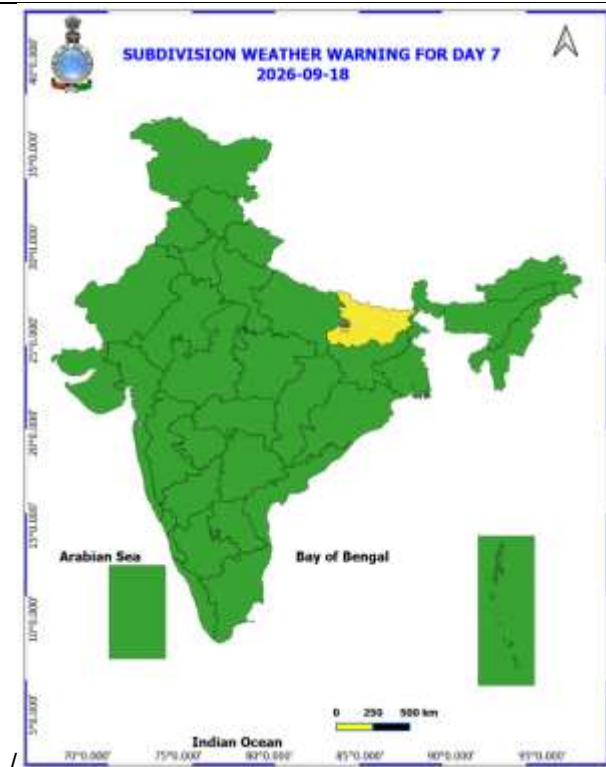
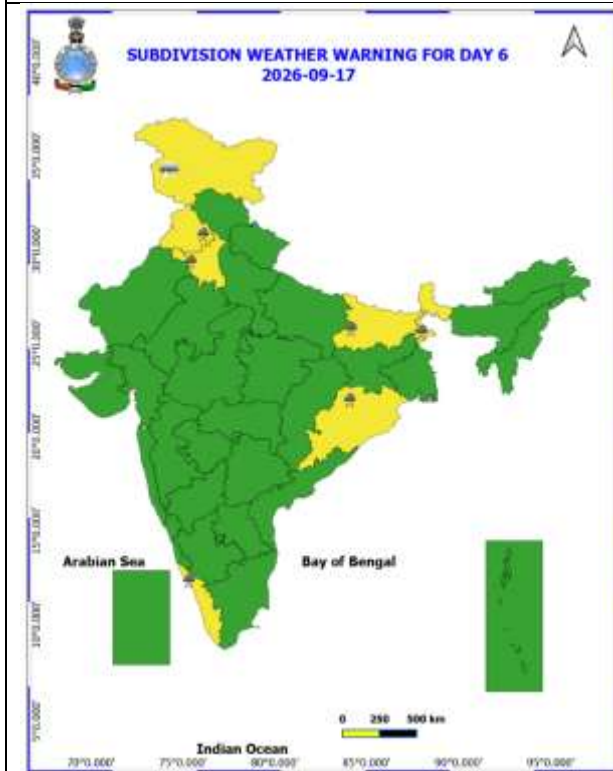
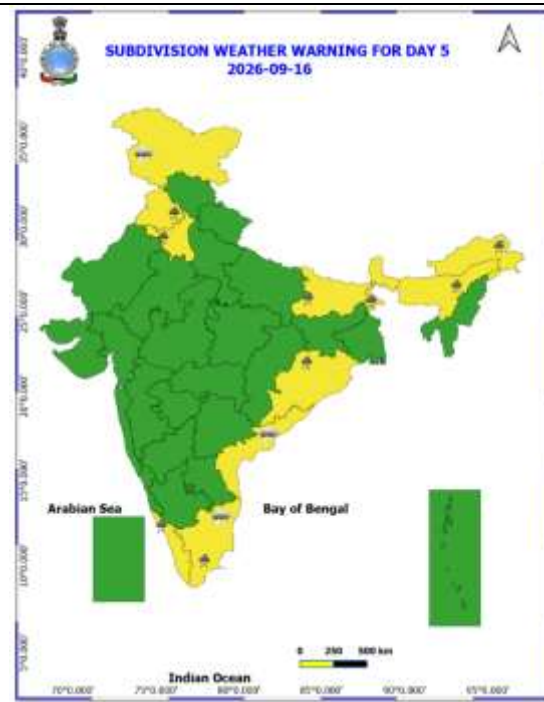
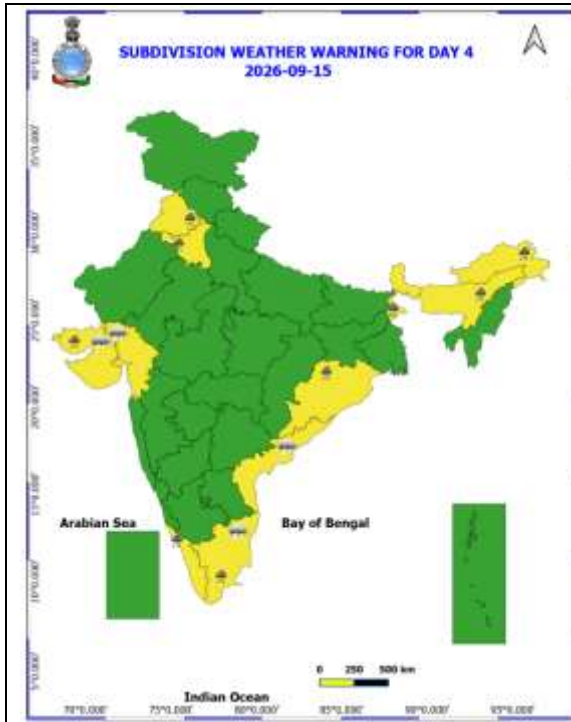
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ ओडिशा: चित्रकुंडा 19
- ❖ छत्तीसगढ़: दुर्ग 17
- ❖ नागालैंड: मांगकोलेम्बा 14
- ❖ असम: राहा अगरी 12
- ❖ हिमाचल प्रदेश: धर्मशाला 9
- ❖ विदर्भ: कोरपना (चंद्रपुर) 9
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: यूपिया (ARG) 9
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: धरमपुरी टप्पा (धार) 8
- ❖ हरियाणा: पलहावास 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	12- Sep	13- Sep	14- Sep	15- Sep	16- Sep	17- Sep	18- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
9	BIHAR	SCT	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	ISOL	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

12 सितंबर से 15 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले 24 घंटों का मौसम:

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की गिरावट आई है और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $23-27^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवा चली, जिसकी गति कभी-कभी 32 किमी/घंटा तक पहुँच गई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में आम तौर पर बादल छाए रहने और उत्तर-पूर्व दिशा से 16 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

12.09.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $33-35^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय ज़मीनी हवा की रफ्तार कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा तक रह सकती है।

13.09.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी रफ्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

14.09.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर से पहले तक कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम से रात के समय भी बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी रफ्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

15.09.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर से पहले से लेकर दोपहर तक कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30°C से 32°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और इसकी रफ्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार कम होकर 12 किमी/घंटा तक रह जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 12 तारीख को ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की बहुत संभावना है; 12 और 13 तारीख को तटीय आंध्र प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा, तेलंगाना, मध्य महाराष्ट्र और कोंकण में; 12 से 14 तारीख के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश होगी, जिसमें 12 तारीख को विदर्भ, मराठवाड़ा और तेलंगाना में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश और 13 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 12 से 14 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है; 13 और 14 तारीख को सौराष्ट्र और कच्छ में बारिश होगी, साथ ही 13 सितंबर 2026 को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 12 सितंबर 2026 को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, मोटे अनाज, मूंगफली, अदरक, हल्दी, सब्जियों, दालों और फलों के बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें और जल निकासी के रास्तों को साफ रखें। अदरक की क्यारियों में पानी जमा न होने दें और जिन फसलों के गिरने का खतरा हो, उन्हें सहारा दें या खूँटे से बांधें। बारिश रुकने और मिट्टी के काम करने लायक होने के बाद ही खेती-बाड़ी से जुड़े अन्य काम करें।
- ❖ गुजरात में, गन्ना, कपास, धान, अरहर, अरंडी, ज्वार, मक्का और मूंगफली की फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए लगातार और प्रभावी जल निकासी की व्यवस्था करें। गन्ने को गिरने से बचाने के लिए लंबे गन्नों को सूखी पतियों या बांस की लकड़ियों से बांधें।
- ❖ तेलंगाना में, खेतों में खड़ी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।

- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कमजोर पौधों को सहारा दें और लंबे गन्नों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा (प्रॉपिंग) दें। गीली मिट्टी में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम अभी न करें।
- ❖ कोंकण में, रागी (फिंगर मिलेट), हल्दी, मूंगफली, गन्ना, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में, तैयार हो चुकी उड़द और मूंग की फसल की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। रागी, मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- ❖ मराठवाड़ा में, तैयार हो चुकी मक्का, मूंग और उड़द की फसल की कटाई करें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। खरीफ फसलों, फलों के बागों, सब्जियों और फूलों की फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- ❖ विदर्भ में, तैयार हो चुकी मूंग और उड़द की फसल की कटाई जल्द से जल्द करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, सोयाबीन, कपास, अरहर, मक्का आदि खरीफ फसलों, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। नए लगाए गए फलों के बागों और सब्जियों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- ❖ असम में, मक्का, उड़द, मूंग और तिल की बुवाई अभी न करें। पहले से बोई गई मक्का, उड़द, मूंग और तिल की फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। धान के खेतों में पानी का स्तर बनाए रखें। अरहर की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। पपीता, केला, सब्जियों और कमजोर तने वाली फसलों को सहारा दें। □ मेघालय में, धान, मक्का, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें। केले, पपीते, खीरे, लौकी, कद्दू जैसी लंबी और कमजोर फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा (स्टेकिंग) दें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों और फलों के बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और अतिरिक्त पानी को तुरंत निकाल दें। गिरने के जोखिम वाली खड़ी फसलों को जहाँ ज़रूरत हो, वहाँ सहारा दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। जहाँ खेत की स्थिति ठीक हो, वहाँ तैयार मक्का, अरबी (कोलोकेसिया) और अदरक की कटाई करें और कटी हुई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (माइनर मिलेट्स), दालों और सब्जियों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें, खासकर मक्का, अदरक और हल्दी के निचले खेतों में, और अतिरिक्त पानी को तुरंत निकाल दें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, धान, सब्जियों के खेतों और फलों के बागों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें और जहाँ ज़रूरत हो, वहाँ खड़ी सब्जियों और बागवानी फसलों को ज्यादा बारिश से बचाएं।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मूंगफली, मक्का, कोदो मिलेट, हल्दी, कॉफी के बागानों, फलों के बागों और सब्जियों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए प्रभावी जल निकासी का इंतज़ाम करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।

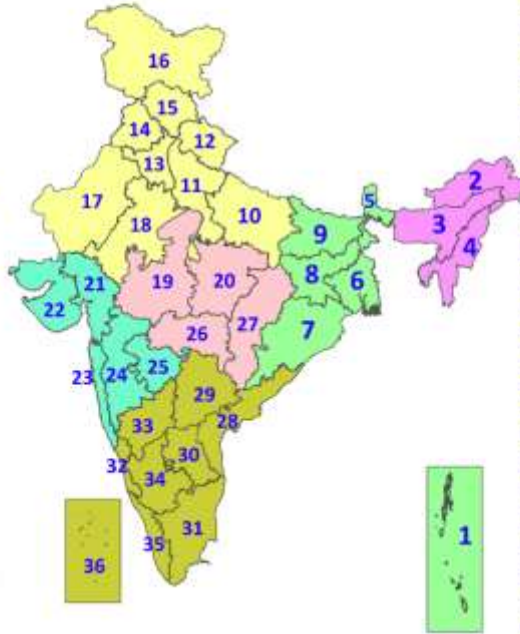
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)